

महिला जागृति अभियान: अरुणोदय

नई शताब्दी — नारी शताब्दी (एक वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण)

सामन्तवादी अन्धकार का अंत — दैवी चेतना और विज्ञान का समन्वय — सतयुग की वापसी का मार्ग

वसन्त पंवमी १९९० को वन्दनीया माताजी से — "मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँवाने का प्रयास करें।" — पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

सृजन का विज्ञान: मातृशक्ति की जैविक यथार्थता



सूक्ष्म बिन्दु

जीवन का आरम्भिक स्वरूप।



चेतना और काया का प्रवेश

माता द्वारा रक्त-मांस और संस्कारों का पोषण।



विश्व-उद्यान में प्रवेश

प्रसव-वेदना सहकर नवजीवन को ब्रह्मांड में स्थापित करना।

यदि नारी जीवनदायिनी ब्रह्मचेतना न होती,
तो विश्व-ब्रह्माण्ड में जीवधारी की कोई सत्ता न होती।

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से —

“मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।”

— पूज्य गुरुदेव
युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ
पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य

(गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

देवत्व के प्रतीक: प्रथम स्थान नारी का

विज्ञान और ज्ञान



सरस्वती, लक्ष्मी
(विज्ञान और सम्पदा)



गायत्री, सावित्री
(ज्ञानचेतना)

देव-युग्म

- लक्ष्मी-नारायण
- उमा-महेश
- शची-पुरन्दर
- सीता-राम

श्रेष्ठ एवं वरिष्ठ मानुषी दीखते हुए भी वस्तुतः वह देवी है। भाव-सम्वेदना और सेवा-साधना में सर्वोपरि।

युगऋषि वेदमूर्ति
पंडित श्रीराम शर्मा

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से —

"मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।"

— पूज्य गुरुदेव
युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ
पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य

(गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

सद्गुणों की रसायनशाला



विकास क्षेत्र में प्रवेश करते हुए हर किसी को इसी महाशक्ति की साधना करनी पड़ती है।

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से —

"मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।"

— पूज्य गुरुदेव
युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ
पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य

(गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

अन्धकार युग का पतन: कल्पवृक्ष से कोयला

पूज्य भाव कुदृष्टि में बदला और वासना की आग में झोंककर कल्पवृक्ष को कोयला बना दिया गया।

परमपूज्य दैवी रूप - प्राचीन गौरव।

सामन्तवादी अन्धकार - आत्मा को भुलाना।

अबला और दासी - कामिनी, भोगया और घर की चहारदीवारी में कैद।

पतन की चरम सीमा - कन्या जन्म को दुर्भाग्य मानना।

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से — “मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से —

“मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।”

— पूज्य गुरुदेव
युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ
पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य

(गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से — "मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।"

— पूज्य गुरुदेव
युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ
पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य

(गायत्री परिवार के संस्थापक)

दोहरे मापदंड: भेदभाव की आचार-संहिता

	स्त्री	पुरुष
सामाजिक नियम	अनिवार्य पतिव्रत, घूँघट आवश्यक	पत्नीव्रत का अनुबन्ध नहीं, खुले मुँह आज़ादी
विवाह और जीवन	विधवा स्त्री: कठोर प्रतिबन्ध और एकाकी जीवन	विधुर पुरुष: कई विवाह कर लेने की पूर्ण स्वतंत्रता
अधिकार	पिंजड़े में बन्द पक्षी, नागरिक अधिकारों से वंचित	शासक, मनमानी आज़ादी

एक वर्ग ने दूसरे वर्ग पर अनाचार लादकर पूरी मानव जाति के विकास के द्वार बन्द कर दिए।

NotebookLM

पक्षाघात का गणित: शून्य बनाम ग्यारह



+ = ११

समानता का सुयोग

एक और एक समान पंक्ति में रखे जाने पर **११** बन जाते हैं (प्रगति और सन्तुलन)।



- = 0

शोषण का पतन

एक को ऊपर व एक को नीचे रखकर घटा देने पर शून्य शेष बचता है।

पिछड़ेपन से ग्रस्त नर और नारी दोनों ही इन दिनों शून्य जैसी दयनीय स्थिति में रहने के लिए बाध्य हैं।

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से — **"मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।"**

— पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

प्रकृति का सन्तुलन सिद्धान्त: परिवर्तन का तूफानी प्रवाह

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से — "मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा।
ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा
कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।"

— पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)

दबाव – लम्बे समय तक अवांछनीयता और सामन्तशाही

तूफानी प्रवाह – चक्रवातों के फेर में व्यवस्थाएँ उलटी से सीधी होती हैं।



दबाव – लम्बे समय तक अवांछनीयता और सामन्तशाही

ऊर्जा का निर्माण – स्रष्टा उद्धण्डता को लम्बे समय तक सहन नहीं करता।

बाँधने और दबोचने की नीति अपनी प्रतिक्रिया प्रकट किए बिना नहीं रहती।
प्रकृति उलटे को उलटकर सीधा करती है।

NotebookLM

क्रान्तियों का शृंखलाबद्ध प्रवाह: धराशायी होती कुप्रथाएँ



स्रष्टा का अनुशासन: यह मानवीय पुरुषार्थ और सूक्ष्मजगत् की व्यवस्था का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से — "मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा।
ज्ञान शरीर का प्रकाश जन·जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा
कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।"

— पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

अतीत के हस्ताक्षर: सामर्थ्य के ऐतिहासिक प्रमाण

प्राचीन काल

कुन्ती (पाँच देव-पुत्र), सीता (लव-कुश), शकुन्तला (चक्रवर्ती भरत), अनुसूया, गार्गी/इला (वैदिक ऋचाओं का प्रकटीकरण)।

मध्य काल

रानी लक्ष्मीबाई (महिलाओं की विशाल सेना द्वारा अदम्य साहस)।

आधुनिक काल

स्वतंत्रता संग्राम (स्वतंत्रता संग्राम में मूर्धन्यों को चकित करने वाला जाग्रत योगदान)।

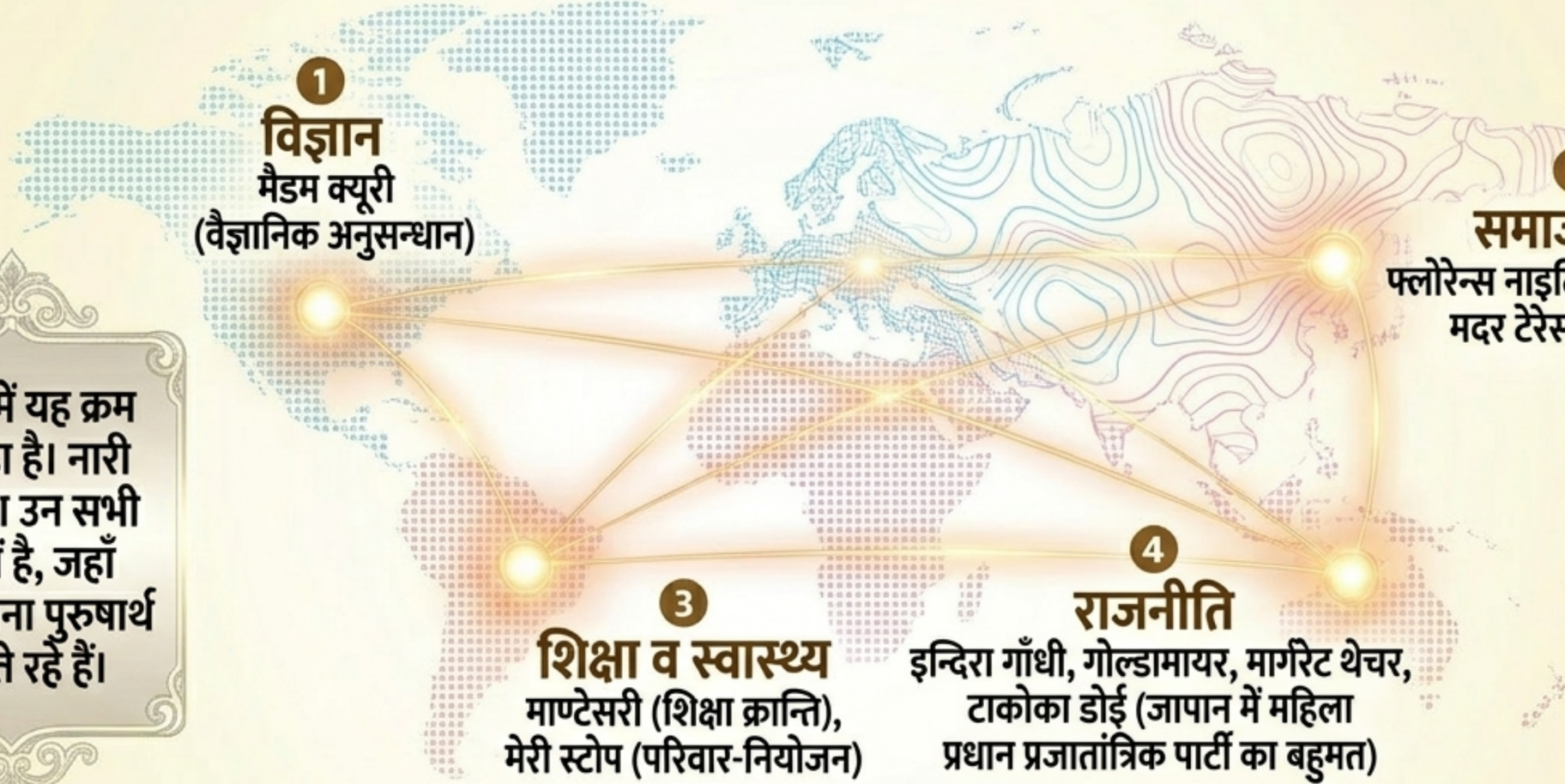
भारत का इतिहास ऐसी महिलाओं के व्यक्तित्व और कर्तृत्व से भरा पड़ा है जो दिग्गजों से कम नहीं थीं।

वसंत पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से – "मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहकों से कहिएगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें"

— पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

विश्व-पटल पर उभार: नई सदी का प्रकटीकरण



1 विज्ञान
मैडम क्यूरी
(वैज्ञानिक अनुसन्धान)

2 समाज सेवा
फ्लोरेन्स नाइटिंगेल (रेडक्रॉस),
मदर टेरेसा (करुणा)

3 शिक्षा व स्वास्थ्य
माण्टेसरी (शिक्षा क्रान्ति),
मेरी स्टोप (परिवार-नियोजन)

4 राजनीति
इन्दिरा गाँधी, गोल्डामायर, मार्गरेट थेचर,
टाकोका डोई (जापान में महिला
प्रधान प्रजातांत्रिक पार्टी का बहुमत)

विदेशों में यह क्रम चल पड़ा है। नारी का प्रवेश उन सभी क्षेत्रों में है, जहाँ पुरुष अपना पुरुषार्थ दिखाते रहे हैं।

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से — "मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा।
ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा
कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।"

— पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

सांख्यिकीय प्रमाण: केरल का वैज्ञानिक साक्ष्य

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से — **"मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा।
ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा
कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।"**

— पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)



नारी समाज के उत्साह ने पूरे प्रान्त की रूपरेखा बदल दी।

NotebookLM

युग परिवर्तन मैट्रिक्स: अन्धकार से अरुणोदय तक

सामन्तवादी युग

- मान्यता: कन्या जन्म दुर्भाग्य, नारी मात्र भोग्या और दासी।
- स्थिति: शिक्षा और नागरिक अधिकारों से वंचित।
- परिणाम: समाज अपंग, आधी जनसंख्या पक्षाघात-पीड़ित।

२१वीं सदी

- मान्यता: नर और नारी एक समान, दोनों में दैवी चेतना।
- स्थिति: शिक्षा, स्वावलम्बन और विश्व-मंच पर नेतृत्व।
- परिणाम: जनसंख्या नियंत्रण, आर्थिक प्रगति, सतयुग की वापसी।

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से — "मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।" — पूज्य गुरूदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

जागरण का चक्र:
सतयुग की वापसी का मार्ग

1. दैवी चेतना - नारी का परमपूज्य मातृशक्ति स्वरूप
2. प्रकृति का सन्तुलन - दबाव के विरुद्ध तूफानी प्रवाह
3. व्यावहारिक क्रान्ति - शिक्षा एवं स्वावलम्बन

सतयुग की वापसी

महापरिवर्तन की वेला में ऋषि-परम्पराओं और देव-परम्पराओं का क्रियान्वयन।

वसन्त पंचमी १९९० को वदनीया माताजी से — "मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे से कहियेगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।"
— पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM

अंतिम अनिवार्यता:
नई शताब्दी — नारी शताब्दी

1. अवांछनीयता के बन्धनों से मुक्ति
2. शिक्षा और स्वावलम्बन द्वारा वर्चस्व की प्राप्ति
3. विश्व-मंच पर महती भूमिका

यह कल्पना या सम्भावना नहीं, वरन सुनिश्चित भवितव्यता है। इक्कीसवीं सदी 'नारी सदी' है।

वसन्त पंचमी १९९० को वन्दनीया माताजी से — "मेरा ज्ञान शरीर ही जिन्दा रहेगा। ज्ञान शरीर का प्रकाश जन-जन के बीच में पहुँचना ही चाहिए और आप सबसे कहियेगा — सब बच्चों से कहियेगा कि मेरे ज्ञान शरीर को मेरे क्रान्तिधर्मी साहित्य के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करें।" – पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)

NotebookLM